व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि - बैग बनाना

द्वारा

स्वयं सहायता समूह – जालपा

एसएचजी नाम	जल्पा
वीएफडीएस नाम	ग्वाली
रेंज	उरला
मंडल	जोगिंदर नगर

इसके तहत तैयार किया गया –

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

स्वयं सहायता समूह का नाम:जल्पा **वीएफडीएस:**ग्वाली रेंज: उरला वन प्रभाग: जोगिंदर नगर

विषयसूची

क्रमांक।	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	परिचय	3
2	एसएचजी का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5-6
4	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5	बाजार की संभावना	7
6	कार्यकारी सारांश	7
7	IGA से संबंधित विवरण	8
8	उत्पादन प्रक्रिया का विवरण	8
9	उत्पादन योजना का विवरण	9
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन	9
11	स्वोट अनालिसिस	10
12-एक	आर्थिक का विवरण	11
12-.बी	आवर्ती लागत	12
12-सी,डी	उत्पादन लागत, विक्रय मूल्य	13
13	लागत लाभ का विश्लेषण	13-14
14	निधि प्रवाह व्यवस्था	14
15-	निधि का स्रोत	15
16	प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण / कौशल उन्नयन	15
17-18-19	ब्रेक-ईवन पॉइंट, बैंक ऋण चुकौती, निगरानी पद्धति, टिप्पणियाँ	16
20	एसएचजी ग्रुप फोटो	17
21-22	अनुमोदन	18-19

1. परिचय-

बैग बनाना एक आय सृजन गतिविधि है जिसे IGA के तहत जालपा SHG द्वारा तय किया गया है जो रेंज उरला और डिवीजन जोगिंदर नगर के VFDS ग्वाली के अंतर्गत आता है। बैग विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे स्कूल बैग, ट्रैवल बैग, कैरी बैग, गर्ल्स कॉलेज बैग, लैपटॉप बैग और भी बहुत कुछ। ये सभी बैग अलग-अलग सामग्रियों से सिलाई करके बनाए जाते हैं। बैग की मांग पूरे साल रहती है और इसका इस्तेमाल हर उम्र के लोग करते हैं।

इसका एक समूहहिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना के तहत 20 जून 2022 को विभिन्न आयु वर्ग की 8 महिलाएं एक स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए एक साथ आईं और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया, जो उन्हें सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपना आईजीए बनाने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद, जालपा SHG समूह ने सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में चुना है। इस SHG में 8 महिलाएँ हैं जो परियोजना से सहायता प्राप्त करने के बाद अच्छी गुणवत्ता वाले बैग बनाना शुरू करेंगी। परियोजना उन्हें इस कौशल को विकसित करने और पेशेवर बनने के लिए आवश्यक धन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके उनका समर्थन करेगी। वे विभिन्न प्रकार के बैग बनाने में सक्षम होंगे और स्वरोजगार कर सकेंगे। इस SHG की विस्तृत व्यावसायिक योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	जल्पा
2.	वीएफडीएस	ग्वाली
3.	रेंज	उरला
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	ग्वाली
6.	ब्लॉक	पधर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	8 महिलाएं
9.	गठन की तिथि	20-06-2021
10.	बैंक खाता संख्या एवं आईएफएससी कोड	347101109270 आईएफएससी एचपीएससी0000341
11।	बैंक विवरण	एचपी राज्य सहकारी बैंक पधर
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	600 (प्रति व्यक्ति 50 रु.)
13.	कुल बचत	1800
14.	कुल अंतर ऋण	--
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक	सदस्यों का नाम एवं पता	पद का नाम	आयु	शिक्षा.	लिंग	श्रेणी/व्यवसाय	फोटो
1.	श्रीमती सुम्ना पत्नी श्री ललित कुमार वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 78768-47747	प्रधान	26	10+2	महिला	जनरल कृषि	
2.	श्रीमती संतोष कुमारी पत्नी श्री रोशन लाल वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 98578-87841	सचिव	43	5 वीं	महिला	जनरल कृषि	
3.	श्रीमती रोशनी देवी पत्नी श्री नागेश्वर वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 94187-18641	सदस्य	33	5 वीं	महिला	जनरल कृषि	
4.	श्रीमती निशा देवी पत्नी श्री विनय कुमार वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 85447-24876	सदस्य	27	10+2	महिला	जनरल कृषि	
5.	श्रीमती तृप्ना देवी श्री रमेश कुमार पत्नी वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 98570-50865	सदस्य	45	8	महिला	जनरल कृषि	
6.	श्रीमती सलिता देवी पत्नी श्री सुरेश कुमार वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 70182-95682	सदस्य	31	10+2	महिला	जनरल कृषि	
7.	श्रीमती डोलमा देवी पत्नी श्री पाल सिंह वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 82787-01772	सदस्य	38	5 वीं	महिला	जनरल कृषि	

स्वयं सहायता समूह का नाम:जल्पा **वीएफडीएस:**ग्वाली रेंज: उरला वन प्रभाग: जोगिंदर नगर

8.	श्रीमती निशा कुमारी पत्नी श्री कमलेश कुमार वीपीओ ग्वाली तह. पधर जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश)	सदस्य	28	8	महिला	जनरल कृषि	

4.गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	34 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	3 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	पधर 3 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी 34 किलोमीटर, जोगिंदर नगर 35 किलोमीटर
6	मुख्य क्षेत्रों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	जोगिंदर नगर, पधर, बरोट और चौहार घाटी

5. बाजार संभावना-

बैग बनाने का हुनर सीखने के बाद, यह जालपा एसएचजी अपने क्षेत्र और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेजी से वृद्धि और बदलाव के साथ बाजार की बहुत बड़ी संभावना है, नवीनतम डिजाइन वाले बैग की मांग पूरे साल रहेगी।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किए गए गांव - ग्वाली, पधर, बरोट और चौहार घाटी
2	उत्पाद की मांग	पूरे वर्ष और मार्च में जब स्कूल पुनः खुलते हैं और दिन-प्रतिदिन के जीवन में चीजों को ले जाने की आवश्यकता होती है, तो उच्च मांग होती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/दुकानदारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (समूह स्तर पर)।
5	उत्पाद ब्रांडिंग	जल्पा बैग हाउस
6	उत्पाद "नारा"	जल्पा बैग

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह जालपा द्वारा बैग बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी।आस-पास के बाज़ार में स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग की अच्छी खासी मांग है। कई बैठकों के बाद, समूह ने आखिरकार यह तय किया है कि आस-पास के बाज़ारों में बैग की मांग को ध्यान में रखते हुए यह गतिविधि निस्संदेह समूह के लिए नकदी पैदा करने का एक ज़रिया होगी।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है, ताकि प्रत्येक सदस्य आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त धन आए।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	स्कूल बैग, हैंडबैग, यात्रा बैग और कैरी बैग
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा अनेक बैठकों के बाद निर्णय लिया गया है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

- समूह में कुल सदस्यों की संख्या 8 है। समूह के सभी सदस्य रोटेशन के आधार पर प्रतिदिन केवल 4 घंटे काम करेंगे क्योंकि उनके पास अन्य कृषि और घरेलू काम भी हैं। वे प्रति सप्ताह 5 दिन काम करेंगे। इसलिए, हम कह सकते हैं कि समूह का प्रत्येक सदस्य मासिक 100 घंटे काम करेगा।
- समूह शुरुआत में प्रति माह 300 बैग बनाएगा और बाद में अनुभव के साथ वे संख्या बढ़ा सकते हैं।
- धारणा/अनुभव के आधार पर प्रत्येक बैग का निर्माण मैटी कपड़ा, जीप, ताले, स्टिकर, वायर कवरिंग आदि सामग्री का उपयोग करके किया जाएगा। जिसकी लागत बैग के प्रकार और बैग के आकार पर निर्भर करेगी। हम कच्चे माल का उपयोग करने की कीमत की सीमा 80 रुपये से 400 रुपये के बीच मान सकते हैं।

- एक महीने में 1 सदस्य के कुल कार्य घंटे (एक महीने में कुल कार्य दिवस 25 और प्रतिदिन 4 घंटे होंगे) 100 घंटे (25 दिन×4 घंटे) होंगे। एक महीने में SHG सदस्यों के कार्य घंटे 800 घंटे होंगे। पूरे समूह के लिए एक महीने में कुल श्रम दिवस 100 दिन (800÷8) होंगे। श्रम लागत 30,000 रुपये (100×300) आती है।

9. उत्पादन योजना का विवरण-

1	प्रति चक्र उत्पादन (महीना)	300 बैग
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं (एसएचजी सदस्यों द्वारा तय किए गए अनुसार प्रति माह रोटेशन के आधार पर)
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित पूर्ण बैग उत्पादन	प्रतिदिन 12 बैग

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद) में शामिल होंगे

- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

11. स्वोट अनालिसिस -

❖ ताकत-

- ✧ पर्यावरण के अनुकूल, बायोडिग्रेडेबल और 100% खाद योग्य (1 से 2 वर्ष)
- ✧ प्लास्टिक और कागज़ के बैग की तुलना में लागत प्रभावी और सस्ता
- ✧ मजबूत और अन्य बैग की तुलना में अधिक वजन उठा सकते हैं
- ✧ लंबे समय तक चलने वाला, फैशनेबल (आकर्षक)
- ✧ विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- ✧ उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है

❖ कमजोरी-

- ✧ कच्चे माल पर निवेश करने तथा उत्पाद की बिक्री की प्रतीक्षा करने के लिए समूह के पास आरक्षित निधि की कमी।
- ✧ व्यवसाय की सफलता के संबंध में समूह के सदस्यों में आत्मविश्वास की कमी।
- ✧ वर्तमान में स्थानीय व्यापारियों द्वारा आयात किए जा रहे फैक्ट्री निर्मित बैगों के साथ उच्च प्रतिस्पर्धा है।

❖ अवसर-

- ✧ इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।
- ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
- ✧ वर्ष भर मांग बनी रहती है।

❖ खतरे/जोखिम-

- ✧ समूह के सदस्यों में संघर्ष का खतरा।
- ✧ कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
- ✧ प्रतिस्पर्धी बाजार.

12. अर्थशास्त्र का विवरण –

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि(रु.)
1	मोटर और स्टैंड के साथ बैग बनाने की मशीन	4	9500	38000
2	स्टैंड के साथ बैग बनाने की मशीन	4	8000	32000
3	लकड़ी का काउंटर टेबल	1	5000	5000
4	चटाई	2	3000	6000
5	स्टील रैक	2	3000	6000
6	टूल किट	8	1000	8000
7	कुर्सी और स्टूल	8	500	4000
			कुल पूंजी लागत (ए) = 99,000	

बी. आवर्ती लागत

क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	मेट्टी कपड़ा	मीटर	120 मीटर	120	14,400
2	पैराशूट कपड़ा कपड़ा	मीटर	50 मीटर	80	4000
3	जूट कपड़ा	मीटर	50 मीटर	100	5000
4	बैग स्टिकर		500	3	1500
5	कुंडे/ताला/बटन	किलोग्राम	1	1800	1800
6	हॉल किराया, इत्यादि व्यय एवं स्टेशनरी व्यय।	रास	1	2000	2000
7	फोम और प्लेन मुद्रित अस्तर कपड़ा	मीटर.	140	110	15400
8	धागा रियल 6,8,10	नग	80	60	4800
9	मशीन सुई 21, 23 नग	पीएसी	9 पैक.	100	900
10	मार्कर और मापन टेप	-	-	-	1000
11	धावक 5 और 8 नं	दर्जन	40	45	1800
12	तानी बैग	किलोग्राम	7	250	1750
13	तानी बैग	किलोग्राम	6	350	2100
14	चैन 5नं.	मीटर.	6	200	1200
15	काहिन 8नं.	मीटर.	10	180	1800
16	श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा				-
				कुल	**59,450**

सी। उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	59,450
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9900
		कुल = 69350

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन लागत (कैरी बैग)	1	लगभग रु.20,60,100,130,400
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य (स्कूल/लड़कियों के लिए कॉलेज बैग)	1	लगभग 40-80-120-300-400
3	वर्तमान बाजार मूल्य (यात्रा बैग)	1	100-150- 250-400-500

13. लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9,900
2	कुल आवर्ती लागत	59,450
3	प्रति माह बैग का कुल उत्पादन	300 (लगभग सभी आकार 100,80,60)
4	प्रति बैग विक्रय मूल्य	100 से 400
5	आय पीढ़ी	99,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	39,550
7	सकल लाभ (शुद्ध लाभ - श्रम लागत)	9,550

8	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	99,000	74,250	24,750
2	कुल आवर्ती लागत	59,450	0	59,450
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		**2,08,450**	**1,24,250**	**84,200**

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा और 25% परियोजना प्रबंधक द्वारा वहन की जाएगी।

एसएचजी.

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

परियोजना।

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों का निर्धारण संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा।सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद डीएमयू/एफसीसीयू।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिला समूह है तो पूंजीगत लागत का 25% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन हैं

प्रस्तावित/आवश्यक:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन

- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/ (बिक्री मूल्य (प्रति बैग)-उत्पादन लागत (प्रति बैग)

बैग) =99,000/(350-130) = 450

इस प्रक्रिया में 450 बैग बनाने के बाद ब्रेक-ईवन प्राप्त हो जाएगा।

18.बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता
- ✧

20. टिप्पणी

सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा।

21. **समूह फोटो**:

वीएफडीएस ग्वाली के अंतर्गत एसएचजी जालपा का समूह फोटो

स्वयं सहायता समूह का नाम:जल्पा **वीएफडीएस**:ग्वाली रेंज: उरला वन प्रभाग: जोगिंदर नगर

22.संकल्प-सह-समूह-सहमति प्रपत्र:

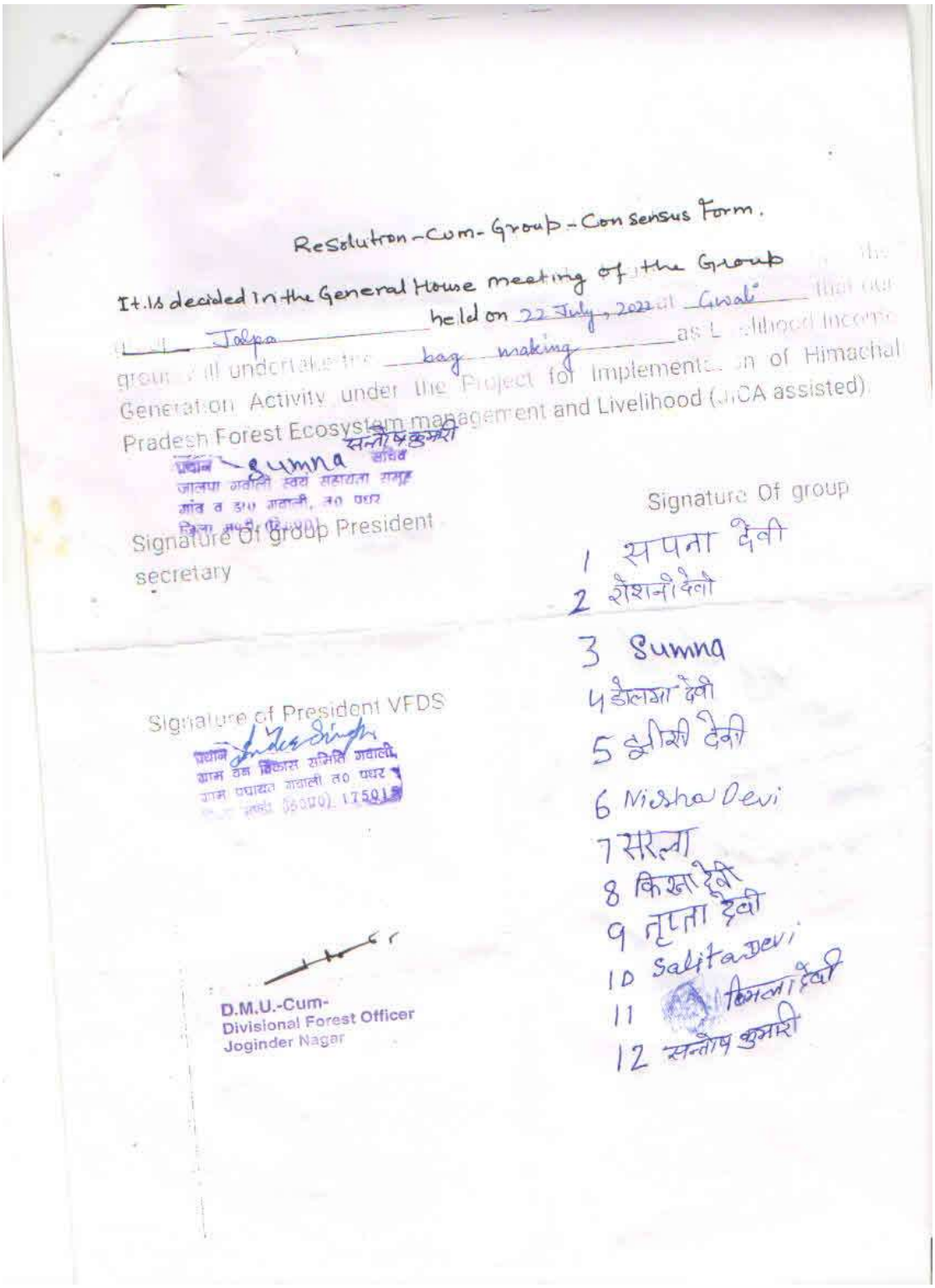

Resolution-Cum-Group-Consensus Form.

It is decided in the General House meeting of the Group held on 22 July, 2022 at Gwali that our ... Jalpa ... group will undertake the bag making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

सन्तोष कुमारी
प्रधान Sumna सचिव
जालपा गवाली स्वयं सहायता समूह
गांव व डा० गवाली, त० पधर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

Signature Of group President secretary

Signature Of group

1 सपना देवी
2 रोशनी देवी
3 Sumna
4 डोलमा देवी
5 ब्रीरी देवी
6 Nisha Devi
7 सरला
8 किशना देवी
9 तृप्ता देवी
10 Salita Devi
11 बिमला देवी
12 सन्तोष कुमारी

Signature of President VFDS

प्रधान ग्राम वन विकास समिति गवाली, ग्राम पंचायत गवाली त० पधर जिला मण्डी (हि०प्र०) 175012

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

23.व्यवसाय योजना अनुमोदन:

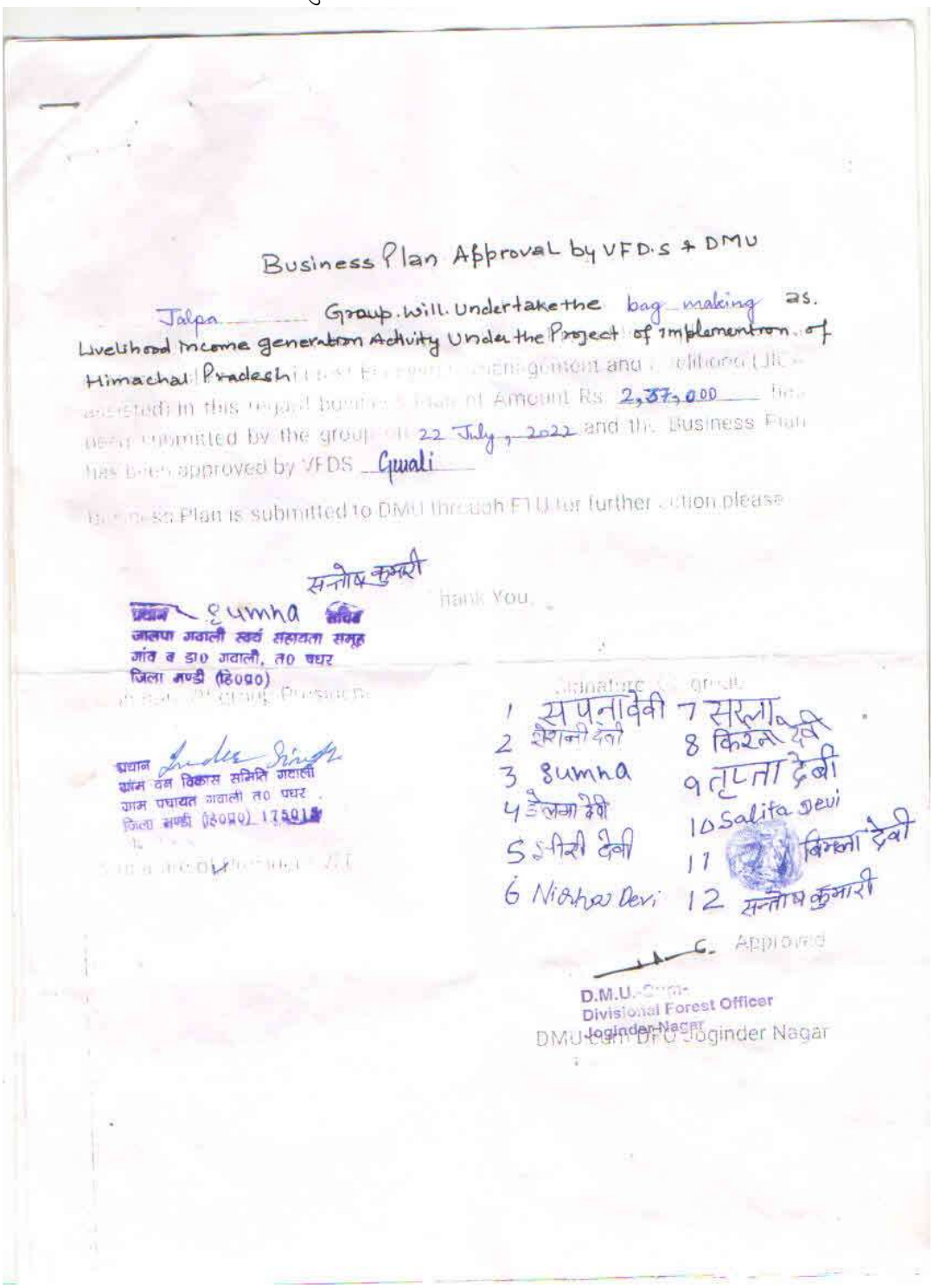

Business Plan Approval by VFD.s & DMU

Jalpa Group. will Undertake the bag making as. Livelihood income generation Activity Under the Project of implementation of Himachal Pradesh ... Management and Livelihood (JICA assisted) in this regard business Plan of Amount Rs: 2,37,000 has been submitted by the group on 22 July, 2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Gwali

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

सन्तोष कुमारी

प्रधान Sumna सचिव
जालपा गवाली स्वयं सहायता समूह
गांव व डा० गवाली, त० पधर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

प्रधान Inder Singh
ग्राम वन विकास समिति गवाली
ग्राम पंचायत गवाली त० पधर
जिला मण्डी (हि०प्र०) 175012

Signature of group

1 सपना देवी
2 शैशनी देवी
3 Sumna
4 हेलमा देवी
5 श्रीरी देवी
6 Nisha Devi
7 सरला देवी
8 किरना देवी
9 तृप्ता देवी
10 Salita Devi
11 बिमला देवी
12 सन्तोष कुमारी

Approved

D.M.U.-cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar
DMU-cum-DFO Joginder Nagar